नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नाटककार डॉ. सतीश पावडे को महाराष्ट्र सरकार का उत्कृष्ट साहित्य निर्माण का पुरस्कार घोषित

वर्धा,दि. 6: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं थिएटर) विभाग के

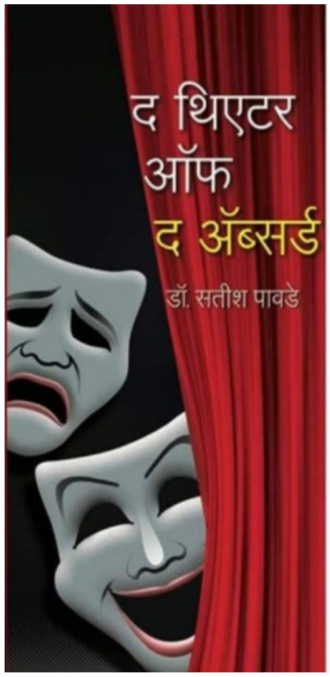

सहायक प्रोफेसर तथा प्रसिद्ध नाटककार, नाट्य निर्देशक तथा नाट्य समीक्षक डॉ. सतीश पावडे को 2018-2019 का उत्कृष्ट मराठी साहित्य (वाङ्मय) निर्माण पुरस्कार हाल ही में महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनके नाट्य समीक्षा ग्रंथ 'द थिएटर ऑफ द ॲब्सर्ड' के लिए घोषित किया गया है। पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपये की राशि, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार के यशवंतराव चव्हाण राज्य साहित्य (वाङ्मय) पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट मराठी साहित्य (वाङ्मय) निर्माण के लिए 'द थिएटर ऑफ द ॲब्सर्ड' नाट्य समीक्षा ग्रंथ को 'तत्वज्ञान तथा मनोविज्ञान' की श्रेणी में 'ना.गो. नांदापुरकर पुरस्कार' आगामी 27 फरवरी 2020 (मराठी भाषा गौरव दिन) को यह पुरस्कार मुंबई में 'महाराष्ट्र राज्य साहित्य एवं संस्कृति मण्डल' द्वारा आयोजित समारोह में दिया जाएगा।

विजय प्रकाशन ,नागपुर द्वारा प्रकाशित इसी ग्रंथ को इसके पूर्व भी विदर्भ साहित्य संघ का 'उल्लेखनीय लेखन पुरस्कार' तथा मातोश्री सूर्यकांता देवी पोटे 'उत्कृष्ट नाट्य समीक्षा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। डॉ. पावड़े की अब तक रंगमंच, नाटक तथा नाट्य समीक्षा की 20 पुस्तके प्रकाशित है। 1997 में उनके नाटक 'अंधारवेणा' के लिए भी उन्हे महाराष्ट्र सरकारने 'मा.मा. वरेरकर उत्कृष्ट नाट्य लेखन पुरस्कार' से सम्मानित किया था। डॉ. सतीश पावड़े पिछले 37 साल से रंगमंच पर बतौर नाटककार, नाट्यनिर्देशक, नाट्य समीक्षक, नाट्य प्रशिक्षक तथा रंगकर्मी के रूप में कार्यरत है।